

न्यायालय अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, सिरोही  
(पीठासीन अधिकारी: रिछपाल सिंह बुरडक, आर.ए.एस.)

- (1) प्रकरण संख्या: 14/2019  
(2) दायरा दिनांक: 31.7.2019

सायल

स्टेट जरिये जिला पुलिस अधीक्षक, सिरोही

बनाम

गैरसायल

भगा उर्फ भगाराम पुत्र वकताजी, जाति- गरासिया, निवासी- खुणाफली, घरट, पुलिस थाना पिण्डवाडा, जिला- सिरोही

“इस्तगासा अर्न्तगत धारा 3 राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम, 1975”

उपस्थिति:

1. सहायक लोक अभियोजक
2. गैरसायल एवं गैरसायल के अधिवक्ता श्री धीमान खत्री

-: निर्णय :-

दिनांक 09 अक्टूबर, 2019

(1) संक्षिप्त में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार हैं। जिला पुलिस अधीक्षक, सिरोही द्वारा गैरसायल भगा उर्फ भगाराम पुत्र वकताजी, जाति- गरासिया, निवासी- खुणाफली, घरट, पुलिस थाना पिण्डवाडा, जिला- सिरोही के विरुद्ध यह इस्तगासा राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा- 3 के तहत प्रस्तुत कर अनुरोध किया कि गैरसायल आले दर्जे का बदमाश एवं अवैध शराब के कारोबार में लिप्त है जो शराब का अवैध कारोबार कर लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड करता है। गैरसायल के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने के बावजूद भी उक्त अपराध पर रोक नहीं लग पाई है। गैरसायल के अवैध शराब के कारोबार से आम लोगों, बच्चों पर दुष्प्रभाव की शिकायत समय-समय पर मिलती रहती है तथा गैरसायल के विरुद्ध कोई भी व्यक्ति साक्ष्य देने को तैयार नहीं होता है। गैरसायल के पूर्व में मुखबीर ईत्तला पर अवैध शराब परिवहन करता पाये जाने पर पुलिस थाना पिण्डवाडा में धारा 16/54 राजस्थान आबकारी अधिनियम के तहत 3 प्रकरण दर्ज हुये एवं इन 3 प्रकरणों में गैरसायल के विरुद्ध संबंधित न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किये गये जिनमें संबंधित न्यायालय द्वारा गैरसायल को दोष सिद्ध ठहराते हुए जुर्माने/सजा से दण्डित किया है, उसके बावजूद भी गैरसायल अवैध शराब के कारोबार करने से बाज नहीं आ रहा है। गैरसायल के ऐसे कार्यकलापों से लोक व्यवस्था, जवानों एवं बच्चों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। गैरसायल अवैध शराब के कारोबार में लिप्त है एवं गैरसायल से आम जन में भय व्याप्त है व गैरसायल के भय से लोग पुलिस को सूचना देने से कतराते हैं, इसलिये गैरसायल के विरुद्ध कानूनी सलूक फरमाकर जिले से निष्कासित किया जावे।

(2) प्रस्तुत इस्तगासे पर गैरसायल के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया जाकर गैरसायल को नोटिस जारी किया गया एवं नोटिस के साथ गैरसायल पर लगाये गये आरोपों की प्रति ...पेज दो पर



पति. जिला मजिस्ट्रेट  
सिरोही-307001.

भी तामिल करवाई गई। जिस पर प्रकरण में सुनवाई हेतु नियत दिनांक 09.10.2019 को गैरसायल इस न्यायालय में उपस्थित हुआ एवं गैरसायल की ओर से अधिवक्ता श्री धीमान खत्री उपस्थित हुये। गैरसायल ने इस न्यायालय में जुर्म/आरोप स्वीकारोक्ति का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर प्रकरण का निस्तारण करने का अनुरोध किया।

(3) प्रकरण में गैरसायल द्वारा जुर्म/आरोप स्वीकार कर लिये जाने से सहायक लोक अभियोजक एवं गैरसायल के अधिवक्ता की बहस सुनी गई। सहायक लोक अभियोजक ने बहस के दौरान इस्तगासों में अंकित तथ्यों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए यह व्यक्त किया कि गैरसायल के विरुद्ध राजस्थान आबकारी अधिनियम की धारा 16/54 के तहत पुलिस थाना पिण्डवाडा में 3 प्रकरण दर्ज हुये जिनमें गैरसायल के विरुद्ध संबंधित न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किये गये जिनमें संबंधित न्यायालय द्वारा गैरसायल को दोष सिद्ध ठहराया गया है। गैरसायल आले दर्जे का बदमाश है एवं अवैध शराब विक्रय करने के कारोबार में लिप्त है। गैरसायल द्वारा अवैध शराब का कारोबार करने से आमजन व बच्चों पर दुष्प्रभाव की शिकायत समय समय पर मिलती रहती है, इसकी ऐसी आपराधिक गतिविधियों के कारण आम जन में भय व्याप्त है तथा लोग इसके विरुद्ध साक्ष्य देने से कतराते हैं, इसलिये गैरसायल की इन आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु गैरसायल को छः माह की अवधि के लिये जिले से निष्कासित किया जावे। जबकि गैरसायल के अधिवक्ता ने बहस के दौरान यह व्यक्त किया कि गैरसायल वर्तमान में किसी भी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त नहीं है व गैरसायल मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करता है। गैरसायल के विरुद्ध गत तीन वर्षों में किसी प्रकार का कोई प्रकरण दर्ज नहीं हुआ है। गैरसायल ने उक्त प्रकरणों में लोक अदालत की भावना से जुर्म स्वीकार किया था। गैरसायल के विरुद्ध शांति भंग करने, मारपीट करने, लोगों को धमकाने आदि कोई मुकदमें दर्ज नहीं हुये हैं, केवल गैरसायल के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत ही उक्त मुकदमे ही दर्ज हुये हैं, गैरसायल के विरुद्ध आरोप गंभीर प्रकृति के नहीं हैं। गैरसायल वर्तमान में शांतिपूर्वक जीवन यापन कर रहा है, इसलिये गैरसायल के विरुद्ध यह कार्यवाही ड्रॉप की जावे।

(4) प्रकरण में सुनी गई बहस पर मनन किया गया एवं न्यायालय पत्रावली तथा पत्रावली उपलब्ध साक्ष्यों का गंभीरतापूर्वक अध्ययन व अवलोकन किया गया। पुलिस अधीक्षक, सिरौही की रिपोर्ट अनुसार गैरसायल भगा उर्फ भगाराम पुत्र वकताजी, जाति-गरासिया, निवासी- खुणाफली, घरट, पुलिस थाना पिण्डवाडा, जिला- सिरौही के विरुद्ध पुलिस थाना, पिण्डवाडा में राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 की धारा 16/54 के तहत अपराध संख्या 32/21.1.2014, 352/03.10.2014 व 187/24.5.2016 को दर्ज हुये जिनकी प्रथम सूचना रिपोर्ट की छाया प्रतियां व उक्त मुकदमों में बाद तफतीश गैरसायल के विरुद्ध संबंधित न्यायालय में प्रस्तुत आरोप पत्रों की प्रतियां भी न्यायालय पत्रावली पर उपलब्ध है। पुलिस अधीक्षक, सिरौही की रिपोर्ट के अनुसार गैरसायल को उक्त अपराध संख्या 32/21.1.2014, 352/03.10.2014 व 187/24.5.2016 में संबंधित न्यायालय द्वारा दोष सिद्ध ठहराया गया है, जिसमें उक्त अपराध संख्या 32/21.1.2014, व 352/03.10.2014 में संबंधित न्यायालय द्वारा पारित निर्णय दिनांक क्रमशः 07.4.2014

....पेज तीन पर



*Handwritten signature*  
 प्रति. जिला मजिस्ट्रेट  
 सिरोही-307001.

व 01.12.2014 की छाया प्रतियां पत्रावली पर उपलब्ध है, जिनके अवलोकन से पाया गया कि उक्त अपराध संख्या 32/21.1.2014 व 352/03.10.2014 में गैरसायल को संबंधित न्यायालय द्वारा दोष सिद्ध ठहराया गया है। इससे, यह स्पष्ट है कि गैरसायल राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा 2(ख)(III) में वर्णित अपराध करने का दोषी है व गुण्डा की श्रेणी में आता है, लेकिन गैरसायल के विरुद्ध दिनांक 24.5.2016 के बाद किसी प्रकार का कोई मुकदमा दर्ज होने की कोई साक्ष्य पत्रावली पर उपलब्ध है।

अतः उपरोक्त सभी तथ्यों एवं परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक, सिरौही द्वारा प्रस्तुत इस्तगासे को स्वीकार करते हुए गैरसायल भगा उर्फ भगाराम पुत्र वकताजी, जाति- गरासिया, निवासी- खुणाफली, घरट, पुलिस थाना पिण्डवाडा, जिला- सिरौही को राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम, 1975 की धारा 3 के परिप्रेक्ष्य में 30 दिन (एक माह) की अवधि के लिये पुलिस थाना क्षेत्र पिण्डवाडा से निष्कासित किया जाता है। इस निष्कासन अवधि में गैरसायल बिना पूर्व अनुमति के पुलिस थाना पिण्डवाडा की सीमा में प्रवेश नहीं करेगा, गैरसायल इस निष्कासन अवधि में एक सामान्य व अच्छे नागरिक की तरह जीवन यापन करेगा तथा किसी प्रकार के आपराधिक कृत्य नहीं करेगा। इसके अतिरिक्त, गैरसायल इस अवधि में किसी भी शैक्षणिक संस्था, धार्मिक स्थल, सिनेमाघर, सार्वजनिक पार्क आदि के आस-पास अपनी उपस्थित नहीं देगा। गैरसायल उक्त निर्देश/निबन्धन एवं शर्तों का सम्यक पालन करने की दृष्टि से उक्त अधिनियम की धारा 7(1) के तहत राशि रुपये 25,000/- (अक्षरों रुपये पच्चीस हजार मात्र) का स्वयं का बन्ध पत्र प्रस्तुत करेगा। आदेश सरे इजलास सुनाया गया।

माफिक आदेश गैरसायल ने स्वयं का बन्ध पत्र प्रस्तुत किया जो बाद तस्दीक शामिल मिसल किया गया। निर्णय की प्रति थानाधिकारी, पुलिस थाना, पिण्डवाडा को पालनार्थ प्रेषित की जावे।



(रिछपाल सिंह बुरड़क)  
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट,  
सिरौही

